Total No. of Printed Pages—4

5 SEM TDC DSE HND (CBCS) 1 (A) (NH)

2024

(November)

HINDI

(Discipline Specific Elective)

(For Non-Honours)

Paper : DSE–1 (A)

(कबीरदास)

Full Marks : 80

Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) कबीरदास किस शाखा के प्रमुख कवि हैं?

(ख) कबीरदास का पालन-पोषण किसने किया था?

(ग) कबीर को वाणी का डिक्टेटर किस विद्वान ने कहा है?

(घ) कबीर की पत्नी का नाम क्या था?

(ङ) कबीर के काव्य को साखी, सबद, रमैनी के रूप में कहाँ संकलित किया गया है?

(च) कबीर का समाधि स्थल कहाँ पर है?

(छ) कबीर की कविता का मूल उद्देश्य क्या था?

(ज) कबीरदास का जन्म किस गाँव में हुआ था?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के ह्रउत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) कबीर ने माया को महाठगिनी क्यों कहा है?

(ख) "मसि कागद छुओ नहीं, कलम गही नहिं हाथ।"— आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) "साखी कबीर के अन्तर्मन की प्रतिनिधि है।" पुष्टि कीजिए।

(घ) "कबीर कवि और भक्त बाद में थे, वे समाज सुधारक पहले थे।"—सतर्क उत्तर दीजिए।

3. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) "मन रे तन कागद का पुतला।
लागै बूँद बिनसि जाइ छिन मैं, गरब करै क्या इतना।।
माटी खोदहिं भीत उसारै, अंध कहै घर मेरा।
आबै तलंब बांधि लै चालैं, बहुरि न करिहै फेरा।।
खोट कपट करि यहु धन जोरयो, लै धरती मै गाडयौ।।
रोक्यो घटि मांस नहीं निकसै, ठौर-ठौर सब छाड्यौ।।"

अथवा

"दुलहनीं गावहु मंगलाचार।
हम घरि आये हो राजा राम भरतार।।
तन रत करि मैं मन रत करिहूँ पंचतत बराती।
रामदेव मोरे पांहुने आये, मै जोबन मैं माती।।
सरीर सरोवर बेदी करिहूँ, ब्रह्मा वेद उचार।
रामदेव संगि भंवरि लैहूँ, धंनि धंनि भाग हमार।
सुर तेतीसूँ कौतिग आये, मुनिवर सहस अठ्यासी।
कहैं कबीर हंम ब्याहि चले हैं, पुरिष एक अविनासी।।"

(ख) "जागहु रे नर सोबहु कहा,
जम बटपारै रूंधे पहा।।
जागि चेति कछू करौ उपाइ, मोटा बैरी है जमराइ।।
सेत काग आये बन मांहि, अजहू रे नर चेतै नांहि।।
कहै कबीर तबै नर जागै, जम का डड मूंड मै लागै।।"

अथवा

"न कछु रे न कछू राम बिना।
सरीर धरे की रहै परमगति, साध संगति रहना।।
मंदिर रचत मास दस लागे, बिनसत एक छिनाँ।
झूठे सुख के कारनि प्रांनी, परपंच करता घना।।"

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) कबीर के व्यक्तित्त्व और कृत्तित्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) "कबीरदास को बाह्याडम्बर से चिढ़ थी।" इस कथन की पुष्टि उदाहरण सहित कीजिए।

(ग) कबीर के भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

(घ) कबीर का दार्शनिक विचारों को विस्तारपूर्वक लिखिए।

(ङ) हिन्दी साहित्य के इतिहास में निर्गुण काव्यधारा में कबीर का स्थान निर्धारित कीजिए।

(च) कबीर का समाज के प्रति क्या योगदान था? उन्होंने अपनी शिक्षाओं से समाज को किस रूप में प्रभावित किया?

★★★